This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6182**

Unique Paper Code : **210102** G

Name of the Paper : **Elements of Indian Philosophy-I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Critically evaluate Carvaka Philosophy.

   चार्वाक दर्शन की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

2. Explain the Nyaya view of perception.

   न्याय दर्शन के प्रत्यक्ष प्रमाण की व्याख्या कीजिए ।

3. Discuss the padarthas of Vaisesika Philosophy.

वैशेषिक दर्शन के पदार्थों की व्याख्या कीजिए ।

4. Discuss the concepts of liberation and bondage in Jainism.

जैन दर्शन के मोक्ष एवं बंधन संबंधी अवधारणाओं की चर्चा कीजिए ।

5. Evaluate Syadavada theory of Jainism.

जैन दर्शन के स्याद्वाद की विवेचना कीजिए ।

6. Discuss the Samkhya theory of evolution.

सांख्या दर्शन के विकासवाद की विवेचना कीजिए ।

7. Discuss the theory of dependent origination according to Buddhism.

बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पादवाद की चर्चा कीजिए ।

8. Write short notes on any *two* :

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) Patanjali's Astanga Yoga

पतंजलि के अष्टांग योग

(*ii*) Carvaka's rejection of inference

चार्वाक के अनुमान प्रमाण का खंडन

(*iii*) Jaina Ethics

जैन नीतिशास्त्र

(*iv*) Proofs for Prakrti.

प्रकृति के प्रमाण ।